No. of Printed Pages : 6

MES–212

MASTER OF ARTS (EDUCATION)

[M. A. (EDU)]

Term-End Examination

June, 2025

MES-212 : INSTRUCTIONAL DESIGN

Time : 3 Hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *All questions are compulsory. All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about **600** words :

   What is instruction ? Explain the relationship between learning and instruction.

   Or

   What is behaviourism ? Discuss application of behaviourist perspective on learning in designing instruction.

2. Answer the following question in about **600** words :

   Explain the meaning and components of Elaboration Theory (ET). How does it help in designing instruction in distance education ?

   Or

   Explain Gardener's theory of multiple intelligences. Discuss its implications. for designing instruction in distance education.

3. Answer any *four* the following questions in about **150** words each :

   (a) Differentiate between deep approach and surface approach to learning.

   (b) What is Zone of Proximal Development (ZPD) ? What are its stages ?

   (c) Differentiate between Cognitive Load Theory and Schema Induction Theory.

   (d) Describe learning styles based on Kolbe's experiential learning theory.

(e) Explain the concept and principles of Universal Design for learning resources.

(f) Mention the types and significance of access devices in self-learning materials.

4. Answer the following question in about **600** words :

Suppose you intend to design instruction for a distance education programme using ADDIE approach. Describe the tasks which you will perform at each phase of the ADDIE approach.

MES–212

स्नातकोत्तर कला (शिक्षा)

[एम. ए. (ई.डी.यू.)]

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.ई.एस.-212 : निर्देशनात्मक डिजाइन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों की भारिता समान है।*

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

   निर्देशन (इन्सट्रक्शन) क्या है ? अधिगम और निर्देशन के मध्य सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए।

   अथवा

   व्यवहारवाद क्या है ? निर्देशन के डिजाइन में अधिगम पर व्यवहारवादी परिप्रेक्ष्य के अनुप्रयोग की परिचर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

विस्तार सिद्धान्त (ई.टी.–इलैबोरेशन थियोरी) के अर्थ और घटकों की व्याख्या कीजिए। दूरस्थ शिक्षा में निर्देशन के डिजाइन करने में यह किस प्रकार सहायता करता है ?

अथवा

गार्डेनर के बहुबुद्धि (मल्टीइंटेलीजेंस) के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। दूरस्थ शिक्षा में निर्देशन के डिजाइन करने के लिए इसके निहितार्थों की परिचर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) दीजिए :

(अ) अधिगम के गहन उपागम (डीप अप्रोच) और सतही उपागम (सरफेस अप्रोच) में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(ब) समीपस्थ विकास का क्षेत्र (जेड.पी.डी.) क्या है ? इसके चरण कौन-से हैं ?

(स) संज्ञानात्मक भार सिद्धान्त (कॉग्निटिव लोड थियोरी) और स्कीमा प्रेरण सिद्धान्त (स्कीमा इंडक्शन थियोरी) में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(द) कोल्बे के अनुभवात्मक अधिगम सिद्धान्त पर आधारित अधिगम शैलियों (लर्निंग स्टाइल) का वर्णन कीजिए।

(य) अधिगम संसाधनों के लिए सार्वभौमिक डिजाइन की अवधारणा और सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।

(र) स्व-अधिगम सामग्रियों (सेल्फ-लर्निंग मटेरियल) में अभिगम्य युक्तियों (एक्सेस डिवाइसेज) के प्रकार और महत्व का उल्लेख कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

मान लीजिए आप ए.डी.डी.आई.ई. (ADDIE) उपागम का प्रयोग करते हुए एक दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के लिए निर्देशन डिजाइन करना चाहते हैं। ए.डी.डी.आई.ई. उपागम के प्रत्येक चरण में आप किन कार्यों को सम्पादित करेंगे ? वर्णन कीजिए।

× × × × ×